कानपुर, सोमवार, 9 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 39, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा में हंगामा...>Pg12
शराब पीकर बना हैवान, पत्नी को मार डाला ...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

पीड़िता के पिता की मौत मामले में जमानत से इनकार, कोर्ट का आदेश अभी जेल में रहेंगे, हाईकोर्ट करे तेज सुनवाई

कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट की दो-टूक

उन्नाव कांड

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। उन्नाव रेप कांड के दोषी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में दायर जमानत याचिका पर कोई राहत देने से साफ इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में संकेत दिया कि इतने गंभीर अपराध में दोषसिद्ध व्यक्ति को तत्काल रिहाई नहीं दी जा सकती।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया के तहत दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह सेंगर की याचिका पर ÷आउट ऑफ टर्न÷ यानी प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करे, लेकिन तब तक सेंगर को जेल में ही रहना होगा। इस फैसले से यह साफ हो गया कि अदालत इस मामले को सत्ता के दुरुपयोग और न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने से जुड़ा बेहद गंभीर अपराध मान रही है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत साधारण आपराधिक घटना नहीं है।

ऐसे मामलों में राहत देने से पहले अदालतों को अत्यधिक सतर्क रहने की जरूरत है। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सीधे सुनवाई करने से इनकार करते हुए यह जिम्मेदारी दिल्ली हाईकोर्ट को सौंप दी, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि मामला लंबा न खिंचे और जल्द फैसला हो।

किस मामले में मांगी गई थी जमानत

यह मामला 2018 में उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में हुई मौत से जुड़ा है। आरोप है कि झूठे मुकदमे में गिरफ्तारी के बाद जेल में उनके साथ मारपीट हुई, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। इस केस में ट्रायल कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को दोषी मानते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी। सेंगर इसी सजा को निलंबित कर जमानत की मांग कर रहे थे।

रेप केस में भी कोई राहत नहीं

गौरतलब है कि कुलदीप सेंगर 2017 के उन्नाव रेप कांड में पहले ही आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। उस मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई सजा निलंबन की राहत पर रोक लगा रखी है। यानी दोनों मामलों में सेंगर फिलहाल जेल में ही बंद हैं।

क्यों अहम है यह फैसला

उन्नाव कांड ने पूरे देश में राजनीतिक संरक्षण, पुलिस कार्रवाई और न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख यह संकेत देता है कि सत्ता के दुरुपयोग से जुड़े मामलों में अब शीर्ष अदालत नरमी के मूड में नहीं है।

टाइमलाइन

2017
- उन्नाव रेप कांड, कुलदीप सेंगर पर आरोप

2018
- पीड़िता के पिता की गिरफ्तारी
- न्यायिक हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

2019-2020
- रेप केस में ट्रायल, सेंगर दोषी
- आजीवन कारावास की सजा

2023
- पीड़िता के पिता की मौत मामले में 10 साल की सजा

2025
- दिल्ली हाईकोर्ट से सजा निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

9 फरवरी 2026
- सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका पर राहत से इनकार
- दिल्ली हाईकोर्ट को तेज सुनवाई का निर्देश

यह भी जानना जरूरी

- सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर साफ इनकार
- दिल्ली हाईकोर्ट को आउट ऑफ टर्न सुनवाई का आदेश
- कोई अंतरिम राहत नहीं, रिहाई की संभावना फिलहाल नहीं
- कुलदीप सेंगर जेल में रहेंगे
- रेप केस और हिरासत मौत–दोनों में दोषसिद्धि कायम

5 लड़कियां गंभीर घायल हालत में भर्ती, भंडारे से लौटते वक्त हुआ हादसा

गंगा एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार का कहर, 9 लड़कियों को कुचला, 4 की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रायबरेली। रायबरेली जिले के जगतपुर थाना क्षेत्र के चूली गांव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर रविवार को तेज रफ्तार कार ने नौ लड़कियों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में चार लड़कियों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायल लड़कियों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, सभी लड़कियां गांव में आयोजित भंडारे से प्रसाद लेकर पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज गति से आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कार की रफ्तार इतनी अधिक बताई जा रही है कि लड़कियों को संभलने या सड़क से हटने का कोई मौका नहीं मिला।

हादसे में दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दो अन्य लड़कियों ने जिला अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही जगतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। गौरतलब है कि गंगा एक्सप्रेस-वे अभी आधिकारिक रूप से यातायात के लिए चालू नहीं किया गया है। इसके बावजूद आसपास के गांवों के लोग एक्सप्रेस-वे पर कार और बाइक से आवाजाही कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे पर न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग की गई है और न ही पुलिस की नियमित निगरानी रहती है, जिससे तेज रफ्तार वाहन बेरोकटोक दौड़ते रहते हैं।

हादसे के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि एक्सप्रेस-वे पर समय रहते सख्त निगरानी और बैरिकेडिंग की गई होती, तो इस हादसे को रोका जा सकता था। फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार की तलाश शुरू कर दी है और चालक की पहचान की जा रही है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खाटू वाले बिगड़ी बना दे...

नयागंज स्थित बनारस लॉन में मेरे बिहारी मेरे श्याम महिला मंडल द्वारा द्वितीय श्री श्याम फाल्गुन उत्सव मनाया गया

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कानपुर के नयागंज स्थित बनारस लॉन में मेरे बिहारी मेरे श्याम महिला मंडल द्वारा द्वितीय श्री श्याम फाल्गुन उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया, जिसे देखकर उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।उत्सव में कानपुर और दिल्ली के प्रसिद्ध भजन गायकों ने बाबा श्याम के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे। दरबार प्रांगण में भगवान की आकर्षक झांकियां सजाई गईं, साथ ही फूलों की होली, भगवान की आरती और अन्य धार्मिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा श्याम

की प्रचंड जोत के समक्ष पूजा-अर्चना की और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना की। पूरे वातावरण में श्याम नाम का संकीर्तन गूंजता रहा और भक्ति का अद्भुत माहौल बना रहा।

इस अवसर पर संस्थापक बबीता अग्रवाल ने बताया कि श्याम महिला मंडल द्वारा आयोजित यह फाल्गुन उत्सव महोत्सव बाबा

श्याम की कृपा से संपन्न हुआ है और आगे भी इसी तरह निरंतर आयोजित किया जाता रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बबीता अग्रवाल, प्रीति सिंह, गीता त्रिवेदी, निम्नी अग्रवाल, अर्चना दुबे सहित अन्य श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बंद 11 कपड़ा मिलों में से एक तो चलवा दीजिए

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ की तरफ से रविवार को ज्ञान भारती महिला विद्यालय बिरहाना रोड में व्यापारियों से बजट पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यहां कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा कि आम बजट 140 करोड़ भारतीयों की खुशहाली, समृद्धि और जीवन स्तर में सुधार की गारंटी है। वहीं, नौघड़ा कपड़ा कमेटी के अध्यक्ष शेषनारायण त्रिवेदी ने कैबिनेट मंत्री से शहर की बंद 11 कपड़ा मिलों में से कम से कम एक चलवाने की मांग की। कहा कि इससे बेरोजगारी कम हो जाएगी।

वहीं, सराफा एसोसिएशन के नीरज दीक्षित व्यापारियों की समस्याएं बताईं ।मंत्री ने कहा कि हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और रेलवे आधुनिकीकरण का सबसे बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलेगा। इसकी लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा जैसे शहरों में कनेक्टिविटी और व्यापार दोनों को गति मिलेगी। छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एमएसएमई ग्रोथ फंड प्रदेश के कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, हैंडलूम, चमड़ा और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को मजबूती देगा।

स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता और संचालन पारस अवस्थी ने किया। इसमें भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, विजय पंडित, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, शेष नारायण त्रिवेदी, पंकज अरोड़ा, रोशन लाल अरोड़ा, मुकुल वर्मा, विजय गुप्ता, अचल गुप्ता, उमंग अग्रवाल, मुकेश गौड़, सुरेश गुप्ता, पार्षद अभिषेक गुप्ता, मोनू, सुरेंद्र गुप्ता, गुरुनारायण गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हिंदू एकता का सशक्त संदेश: रतन आर्बिट में भव्य हिंदू सम्मेलन संपन्न

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। समस्त हिंदू समाज को आपसी एकता के सूत्र में बाँधने, सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने तथा सनातन मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित हिंदू सम्मेलन का आयोजन 08 फरवरी 2026, रविवार को मुख्य पार्क, रतन आर्बिट में भव्य रूप से संपन्न हुआ। सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग, संत समाज, मातृ शक्ति एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय गौ सेवा सह-प्रमुख नवल किशोर ने अपने ओजस्वी संबोधन में हिंदू समाज की एकता, संगठन और सनातन संस्कृति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठित हिंदू समाज ही राष्ट्र को सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है। उन्होंने समाज से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

संत समाज की ओर से दंडी स्वामी रमाकांत महाराज ने हिंदू सम्मेलन की प्रासंगिकता पर बल देते हुए कहा कि हिंदू धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है, जिसकी जड़ें हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत में गहराई से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि एकजुट हिंदू समाज ही राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला है।

कार्यक्रम में मातृ शक्ति वक्ता डॉ. प्रियंका सिंह ने समाज निर्माण में नारी शक्ति की भूमिका पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति के बिना सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नयन की कल्पना अधूरी है।

कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. राजीव मिश्रा ने सम्मेलन के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी आगंतुकों, संत समाज, वक्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, समाज के प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान, भारत माता की आरती तथा प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पुष्पेंद्र तोमर, रमाकांत यादव, विवेक, सतीश श्रीवास्तव, राणाजन उपाध्याय, अनुरुद्ध सेंगर, अजय तिवारी एवं वी. एन. अवस्थी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हिंदू सम्मेलन के माध्यम से समाज में एकता, संगठन और सांस्कृतिक चेतना को और अधिक मजबूत करने का स्पष्ट संदेश दिया गया।

शराब पीकर बना हैवान पत्नी को मार डाला

लोहे की रॉड और ईंट से सिर कुचलकर हत्या, वारदात के बाद घर के बाहर बैठा रहा आरोपी

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र के कर्रही गांव में रविवार को शराब के नशे ने रिश्तों को खून से रंग दिया। नशे में धुत पति ने अपनी पत्नी पर लोहे की रॉड और ईंट से ताबड़तोड़ प्रहार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। दिल दहला देने वाली इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी न तो भागा और न ही शर्मिंदगी दिखाई, बल्कि पत्नी की लाश घर के अंदर पड़ी रहने दी और खुद घर के बाहर बैठा रहा। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पति-पत्नी के बीच पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में हिंसक झगड़े में बदल गई। शराब के नशे में साहब लाल ने अपना आपा खो दिया और पास में रखी लोहे की रॉड और ईंट उठाकर ललिता के सिर पर लगातार वार करता रहा। गंभीर चोटों और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते ललिता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बिलखते परिजन, मौके पर जांच करती पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही बर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी साहब लाल को मौके से ही हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड और ईंट भी घटनास्थल से बरामद कर ली गई हैं।

वारदात की नृशंसता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य अहम साक्ष्य एकत्र किए। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ा जा सके। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट है कि आरोपी ने शराब के नशे में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी की हत्या की। आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लेम्बोर्गनी हादसा: आरोपी के घर का दरवाजा नहीं खुला

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में रईसी रफ्तार बनाम कानून की टक्कर एक बार फिर सामने आई है। ग्वालटोली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार लेम्बोर्गनी कार की टक्कर से हुए हादसे ने हड़कंप मचा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लग्जरी कार को कब्जे में लिया और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने साफ शब्दों में कहा–कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक हादसा बीते दिन हुआ। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। वाहन को सीज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है–जिसमें स्पीड, ब्रेकिंग, टक्कर की प्रकृति और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल शामिल है। हादसे में शामिल कार

➪ पुलिस कमिश्नर ने कहा कानून सबके लिए बराबर, लग्जरी कार हो या आम

चालक के रूप में शिवम मिश्रा की पहचान हुई है। जांच के सिलसिले में पुलिस टीम आरोपी के घर पहुंची, लेकिन आधे घंटे तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि सभी कानूनी विकल्पों पर कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने कहा चाहे वाहन लेम्बोर्गनी हो या कोई सामान्य कार, कानून सबके लिए समान है। सड़क पर लापरवाही और नियमों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज में फिर बवाल, 300 छात्र धरने पर बैठे

छात्र नेताओं पर दर्ज मुकदमों और मांगों पर कार्रवाई न होने से आक्रोश

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज में सोमवार को एक बार फिर हालात बेकाबू हो गए। छात्र नेताओं पर मुकदमे दर्ज होने और कॉलेज प्रबंधन द्वारा मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से नाराज करीब 300 छात्रों ने कॉलेज गेट पर जमकर हंगामा किया। स्थिति को संभालने के लिए कई थानों की पुलिस, पीएसी बल के साथ एसीपी कल्याणपुर और एडीसीपी वेस्ट मौके पर पहुंचे।

छात्रों का कहना है कि बीते छह दिनों में यह तीसरी बार है जब उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि उनके साथियों को झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। छात्रों के मुताबिक बुधवार को कॉलेज देर से पहुंचने पर कुछ शिक्षकों ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर डंडों और बेल्टों से पीटा। इस घटना में 10 छात्र घायल हुए, जबकि एक छात्रा का हाथ फट गया। इसके बाद आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज गेट बंद कर "वी वांट जस्टिस" के नारे लगाए और कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की। घायल छात्र-छात्राओं को कॉलेज के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक छात्र के पिता की शिकायत पर तीन शिक्षकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। कॉलेज प्रबंधन ने दो शिक्षकों को निलंबित किया, जबकि पुलिस ने चार शिक्षकों को गिरफ्तार किया।

25 छात्रों पर FIR, फिर भड़का गुस्सा

शिक्षक की तहरीर पर 25 छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। सोमवार सुबह कॉलेज खुलते ही छात्रों ने इन्हीं मुकदमों को वापस लेने और मांगें माने जाने का लिखित पत्र न दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई और कॉलेज गेट पर दोबारा हंगामा शुरू कर दिया। फिलहाल कॉलेज परिसर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

कॉलेज बंद, फिर नया विवाद

घटना के बाद कॉलेज को गुरुवार से रविवार तक बंद कर दिया गया। इस दौरान कॉलेज प्रबंधन ने छात्रों की मांगें मौखिक रूप से मानने का भरोसा दिया और जल्द लिखित आश्वासन देने की बात कही। इसी बीच शुक्रवार को कॉलेज के पीछे स्थित एक मैगी पॉइंट पर नया विवाद खड़ा हो गया। छात्रों का आरोप है कि आरोपी शिक्षक अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे और गाली-गलौज व अभद्रता की। वहीं शिक्षकों का कहना है कि वे चाय पीने गए थे, तभी छात्र नेता अभिजीत रॉय, अनस साहू सहित करीब 25 छात्रों ने उन पर हमला कर दिया।

निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन की अनदेखी का लगाया आरोप

विधायक अमिताभ बाजपेयी ने जिलाधिकारी को भेजा पत्र

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

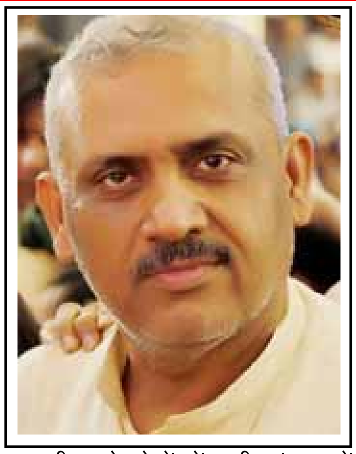

कानपुर। मतदाता सूची से नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का पालन न किए जाने का आरोप लगाते हुए विधायक अमिताभ बाजपेयी ने जिलाधिकारी कानपुर नगर को पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप होनी चाहिए, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका उल्लंघन किया जा रहा है।

विधायक ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद समाजवादी पार्टी को बिना किसी पूर्व सूचना के मतदाता सूची से नाम काटे जा रहे हैं। न तो राजनीतिक दल को सूचना दी जा रही है और न ही जिलाधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर मतदाता सूची से संबंधित सूचनाएं चस्पा की जा रही हैं, जबकि गाइडलाइन के अनुसार यह अनिवार्य है।पत्र में यह भी कहा गया है कि मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बोगस फॉर्म संख्या-7 जमा कराए जा रहे हैं।

निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक दिन में अधिकतम 5 फॉर्म और किसी राजनीतिक दल का बीएलए एक दिन में अधिकतम 10 फॉर्म ही जमा कर सकता है, साथ ही प्रत्येक फॉर्म के साथ शपथ पत्र लेना अनिवार्य है। इसके बावजूद सैकड़ों की संख्या में फॉर्म एक साथ जमा कराए जा रहे हैं।

विधायक का आरोप है कि ये फॉर्म कंप्यूटर या प्रिंटिंग मशीन से एक साथ छपे हुए प्रतीत होते हैं और इन्हें जबरन बीएलओ व सुपरवाइजरों पर जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी के बीएलए और कार्यकर्ताओं को कई ऐसे फॉर्म मिले हैं, यहां तक कि पार्टी के कुछ पदाधिकारियों के नाम से भी फॉर्म संख्या-7 भरे जाने की जानकारी सामने आई है।

पत्र के माध्यम से विधायक अमिताभ बाजपेयी ने मांग की है कि फॉर्म संख्या-7 जमा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति से अनिवार्य रूप से शपथ पत्र लिया जाए, एक व्यक्ति और बीएलए द्वारा जमा किए जाने वाले फॉर्मों की संख्या की सख्ती से जांच की जाए, सभी सूचनाएं नियमानुसार नोटिस बोर्ड पर चस्पा कराई जाएं और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने जिलाधिकारी से इस गंभीर मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष और विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की

युवती लापता पुलिस तलाश में जुटी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के पुलंदर गांव से 19 वर्षीय युवती के रहस्यमय ढंग से लापता होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। युवती शुक्रवार रात बिना किसी को बताए घर से निकल गई,

जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

पुलंदर गांव निवासी दुलीचंद सोनकर के अनुसार उनकी पुत्री घर से अचानक गायब हो गई। कई जगह तलाश की लेकिन पता नहीं चला। । परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी रीना गौतम ने बताया कि युवती को सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

कानपुर देहात में हत्या के मामले का वांछित आरोपी गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात में हत्या के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा वांछित एवं वारंटी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना मंगलपुर पुलिस को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर बीती रात छापामारी की गई, जहां हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपी संतोष यादव उर्फ संजू, निवासी श्री का पुरवा, थाना मंगलपुर, को दबोच लिया गया। थाना प्रभारी महेश दुबे ने बताया कि आरोपी संजू के खिलाफ थाना मंगलपुर पर हत्या का अभियोग दर्ज था। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। आरोपी के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही पहले ही हो चुकी थी, वहीं न्यायालय द्वारा उसकी गिरफ्तारी के लिए वारंट भी जारी किया गया था।

विधानसभा में गूंजा बटपरू गांव का दर्द

» रसूलाबाद विधायक ने विधानसभा में लगाई याचिका, ग्रामीणों में जगी उम्मीद

» एक जाति विशेष का गांव होने के चलते उपेक्षा का आरोप

» 20 वर्षों से बदहाल है बिल्हौरङ्गइटावा स्टेट हाईवे से बटपरू का संपर्क मार्ग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया
20 साल से बनने के इंतजार में बटपरू गाँव की मेन रोड
विधान मंडल प्रस्ताव 09....

FOLLOW UP

कानपुर देहात। उपेक्षा, बेरुखी और बदहाली का दंश झेल रहे बटपरू गांव के लोगों के लिए राहत की किरण दिखाई देने लगी है। वर्षों से जर्जर पड़े बिल्हौरङ्गइटावा स्टेट हाईवे से बटपरू गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग का मुद्दा अब विधानसभा तक पहुंच गया है। इस मामले में स्वराज इंडिया द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर का असर साफ नजर आ रहा है।रसूलाबाद तहसील क्षेत्र अंतर्गत रसूलाबाद देहात ग्राम पंचायत के मजरा बटपरू गांव को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग करीब 20 वर्ष पूर्व बनाया गया था। आज सड़क की हालत इतनी खराब है कि उस पर पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। बरसात के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है, जिससे ग्रामीणों का संपर्क लगभग कट जाता है।

रिश्ते, पढ़ाई और इलाज पर असर

खराब सड़क का असर ग्रामीण जीवन के हर पहलू पर पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार विवाह के लिए रिश्ते तक गांव आने से कतराते हैं। स्कूली बच्चों को रोजाना आवागमन में भारी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। बीमारों को अस्पताल पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं होता।

चुनाव आए-गए, सड़क जस की तस

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने के बाद कई चुनाव हुए। जिला पंचायत सदस्य बने, विधायक बदले, सांसद बदले, लेकिन बटपरू गांव की इस बदहाल सड़क की किसी ने सुध नहीं ली।

गांव वालों में यह पीड़ा भी रही कि एक जाति विशेष का गांव होने के कारण वर्षों तक इसकी अनदेखी की गई।

स्वराज इंडिया की खबर बनी ग्रामीणों की आवाज

जब यह गंभीर समस्या स्वराज इंडिया में प्रमुखता से प्रकाशित हुई, तब जाकर जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर गया। खबर का असर इतना व्यापक रहा कि मामला विधानसभा तक पहुंच गया।

रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक पूनम संखवार ने बटपरू गांव के संपर्क मार्ग की समस्या को विधानसभा पटल पर रखते हुए याचिका लगाई।

उन्होंने सदन में कहा कि बटपरू गांव को जाने वाले संपर्क मार्ग का निर्माण शीघ्र कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को वर्षों से चली आ रही समस्याओं से निजात मिल सके।

विधानसभा में मुद्दा उठने के बाद बटपरू गांव के लोगों में नई उम्मीद जगी है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस बार भी सड़क नहीं बनी, तो यह उनके साथ सबसे बड़ा अन्याय होगा।

बजरिया में वृद्ध की हत्या, ईंट से सिर कुचलकर मार डाला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

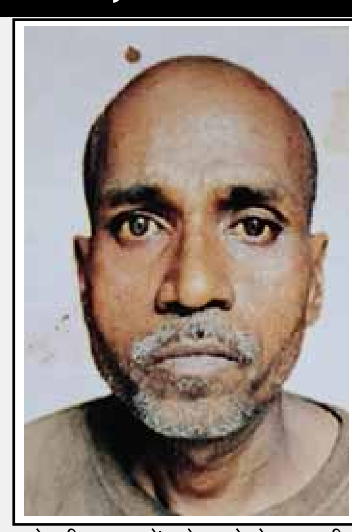

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र के पी रोड इलाके में स्थित एक क्रिया घर में 59 वर्षीय वृद्ध की ईंट से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सीसामऊ नीम वाला हाता निवासी कैलाश गौतम के रूप में हुई है। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने क्रिया घर में शव पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची बजरिया थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मोहल्ले के लोगों के अनुसार कैलाश गौतम नशे के आदी थे और अधिकांश समय क्रिया घर में ही नशे की हालत में पड़े रहते थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह क्रिया घर लंबे समय से नशेबाजों का अड्डा बना हुआ था।

पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद कर ली है। प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद या नशे के दौरान मारपीट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है और पोस्टमार्टम के लिए शव भेजा गया है।

बजरिया थाना पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हत्यारे की पहचान की जा सके। मामले में जल्द ही खुलासा किए जाने का दावा किया जा रहा है।

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के सवाल

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता।

उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा।वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता ह निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा।तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौताः सतर्क कूटनीति की परीक्षा

डॉ मजहर नकवी

भारत और अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता सरकार द्वारा एक बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस दावे में आंशिक सच्चाई अवश्य है, विशेषकर इसलिए कि इस चरण में भारत अपने किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों को सुरक्षित रखने में सफल रहा है। हालांकि इस समझौते का वास्तविक महत्व आगामी मार्च में सामने आने वाले अंतिम मसौदे के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार व विदेशी मामलो के एक्सपर्ट हैं)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ में कटौती की घोषणा से भारत को तात्कालिक राहत अवश्य मिली है। इसके परिणामस्वरूप सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा चर्म उद्योग के लिए अमेरिकी बाजार तक पहुँच के नए अवसर खुले हैं। किंतु इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भारत अगले पाँच वर्षों में अमेरिका के साथ लगभग 500 बिलियन डॉलर के व्यापार को सुनिश्चित करे। यह लक्ष्य आसान नहीं है और इसके लिए ठोस रणनीति, घरेलू उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा निर्यात अनुकूल नीतियों की आवश्यकता होगी।

घरेलू राजनीति में इस समझौते को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। विपक्ष ने इसे अमेरिकी हितों के पक्ष में झुका हुआ करार दिया है और किसानों तथा डेयरी क्षेत्र पर संभावित प्रभावों को लेकर आशंकाएँ जताई हैं। सरकार का पक्ष है कि कृषि और दुग्ध उत्पादों को इस समझौते से बाहर रखा गया है। वाणिज्य मंत्री के सार्वजनिक वक्तव्यों और आधिकारिक सूचनाओं से फिलहाल यही संकेत मिलते हैं कि इन संवेदनशील क्षेत्रों को नुकसान नहीं पहुँचेगा।ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिका और वेनेजुएला से तेल आयात की संभावनाएँ भारत के लिए आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती हैं। वहीं रक्षा क्षेत्र में अमेरिका द्वारा एफ–16 लड़ाकू विमानों की बिक्री को लेकर बनाया गया दबाव एक जटिल मुद्दा बना हुआ है। इन विमानों की ऊँची लागत और रखरखाव खर्च को देखते हुए भारत को अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप निर्णय लेना होगा।

इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि भारत और अमेरिका ने किसी तीसरे देश द्वारा अनुचित लाभ उठाने पर रोक लगाने तथा अनुचित व्यापार प्रथाओं से निपटने पर सहमति जताई है। विशेष रूप से चीन द्वारा डंपिंग और निम्न गुणवत्ता वाले उत्पादों के माध्यम से बाजार में प्रवेश की समस्या से निपटने का यह प्रयास महत्वपूर्ण माना जा सकता है। निर्यात नियमों की हर छह माह में समीक्षा का प्रावधान इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है।अमेरिका द्वारा भारत को मेडिकल उपकरण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, विमान व उनके पुर्जे तथा कीमती धातुओं की आपूर्ति का प्रस्ताव भी इस समझौते का हिस्सा है। इससे तकनीकी और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा मिल सकता है, बशर्ते भारत अपने घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करे।कुल मिलाकर यह अंतरिम व्यापार समझौता न तो पूर्ण सफलता है और न ही किसी प्रकार का आत्मसमर्पण। यह एक संतुलित और सतर्क प्रयास है, जिसकी अंतिम कसौटी इसके दीर्घकालिक परिणाम होंगे। सरकार के लिए चुनौती यही है कि वह आर्थिक लाभ, रणनीतिक स्वायत्तता और किसानों तथा घरेलू उद्योगों के हितों के बीच संतुलन बनाए रखे। अंतिम समझौते के बाद ही यह तय हो पाएगा कि यह पहल वास्तव में ऐतिहासिक सिद्ध होती है या केवल एक कूटनीतिक पड़ाव बनकर रह जाती है।

सहनशक्ति बढ़ाकर करें जोखिम का मुकाबला

अंतर्मन

डा0 सुधीर कुमार

कुछ विरले ऐसे होते हैं जो गहन अवसाद और पीड़ा का सामना भी धैर्य और हिम्मत से करते हैं। ऐसे ही व्यक्ति आगे चलकर इतिहास रचते हैं। जापानी लोग बहुत ही सरलता से मुश्किल का सामना करते हैं।कहते हैं कि मनुष्य और कॉकरोच दो ऐसे जीव हैं जो हर परिस्थिति में जीवित रहना जानते हैं। कई बार मनुष्य को चारों ओर अंधकार ही अंधकार नज़र आता है। पीड़ा इतनी गहन हो जाती है कि सब्र नहीं होता। ऐसे में कई लोग हार मान जाते हैं तो कुछ विरले ऐसे होते हैं जो गहन अवसाद और पीड़ा का सामना भी धैर्य और हिम्मत से करते हैं। ऐसे ही व्यक्ति आगे चलकर इतिहास रचते हैं। जापानी लोग बहुत ही सरलता से मुश्किल का सामना करते हैं। वे 'निनताई' शब्द में बहुत अधिक विश्वास करते हैं। इस जापानी शब्द का अर्थ बहुत गहरा और प्रेरणा देने वाला है।

'निनताई' दो शब्दों के मेल से बना है- निन और ताई। 'निन' का अर्थ है 'सहन करना' या 'छिपाना' और 'ताई' का अर्थ है 'प्रतिरोध' या 'झेलने की शक्ति'। निनताई ऐसी मानसिक शिक्त है जो हमें तब भी मैदान में टिकाए रखती है, जब बाकी सब हार मानकर जा चुके होते हैं। यह बिना शिकायत किए और बिना रुके चलने की कला है। इस कला को सीखने से हर मुश्किल काम व्यक्ति के लिए सहज हो जाता है। हमारे देश के क्रांतिकारियों ने भी 'निनताई' शब्द को अपने जीवन में उतार लिया था। उनकी सहनशीलता इस कदर बढ़ गई थी कि अंग्रेजों का बर्बर व्यवहार अंग्रेजों को ही चौंकाने पर मजबूर कर देता था। भारतीय क्रांतिकारी देश की खातिर अंग्रेजों के हर अत्याचार को बर्दाश्त करता था, मगर उन्हें अपने देश की महत्वपूर्ण बातों की भनक तक लगने नहीं देता था।अविभाजित बंगाल के चटगांव जो कि अब बांग्लादेश में है, के स्वाधीनता आंदोलन के नायक सूर्यसेन उर्फ सुरज्या सेन भी ऐसे ही वीर क्रांतिकारियों में से एक हैं। होश संभालते ही इन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने आरंभ कर दिए थे। इन्होंने अपने साथियों को गुरिल्ला युद्ध के लिए प्रेरित किया। 23 दिसम्बर, 1923 को इन्होंने चटगांव में असम-बंगाल रेलवे के

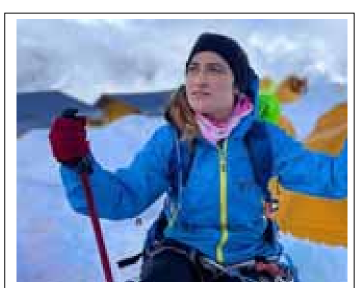

ट्रेजरी ऑफिस को लूटा। इन्हें सबसे बड़ी सफलता चटगांव आर्मरी रेड के रूप में मिली, इससे अंग्रेज सरकार बुरी तरह छटपटा उठी। सूर्यसेन ने युवाओं को संगठित कर भारतीय प्रजातांत्रिक सेना नामक संगठन खड़ा किया। 18 अप्रैल, 1930 को सैनिक वस्त्रों में इन युवाओं ने चटगांव के सहायक सैनिक शस्त्रागार पर कब्जा कर लिया। सूर्यसेन मास्टर दा के रूप में अपने इलाके में प्रसिद्ध हो गए थे।मास्टर सूर्यसेन ने इन गतिविधियों द्वारा अंग्रेजों को सीधे चुनौती दी थी। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर चटगांव को अंग्रेजी हुकूमत के शासन के दायरे से बाहर कर लिया था और भारतीय ध्वज को फहराया था। क्रांतिकारियों ने टेलीफोन और टेलीग्राफ के तार काट दिए और रेलमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। इन सभी सूचना माध्यमों को ध्वस्त करने के कारण चटगांव से अंग्रेज सरकार का संपर्क तंत्र टूट गया था। इस कारण अंग्रेजों को लोहे के चने चबाने पड़े।अंग्रेज सूर्यसेन के पीछे हाथ धोकर पड़ गए। आखिर 16 फरवरी, 1933 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें गिरफ्तार करने के बाद अंग्रेजों ने उन पर अमानवीय और बर्बर अत्याचार किए। उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। लेकिन फांसी देने से पहले उन्हें बहुत अधिक यातनाएं दी गईं। फांसी पर लटकाने से पहले उनके हाथों के नाखून उखाड़ लिए गए। उनके दांतों को हथौड़ों से तोड़ दिया गया। उनके शरीर के सभी अंगों और जोड़ों को बुरी तरह तोड़ दिया गया। मरते-मरते भी सूर्यसेन ने अपने अंतिम पत्र में लिखा, 'प्रिय मित्रों, आगे बढ़ो और कभी अपने कदम पीछे मत खींचना। उठो और कभी निराश मत होना। सफलता अवश्य मिलेगी।'वर्तमान समय में तो 'निनताई' शब्द का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। आज युवाओं में असहनशीलता की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। युवा 'निनताई' के माध्यम से अपनी असहनशीलता को 'सहनशीलता' में प्रवृत्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें कोशिश करनी होगी कि जब भी कोई प्रोजेक्ट या काम बहुत अधिक थका दे, तो कुछ देर रुककर अध्यात्म की ओर मुड़ना। अपने अंतर्मन से ये संवाद करना कि श्रम और हिम्मत ही कार्य को पूर्ण कराते हैं। दर्द सहन करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम करना और पौष्टिक भोजन का सेवन करना। सुबह-सवेरे उठकर प्रकृति के सान्निध्य में पक्षियों और पेड़ों को करीब से देखना। आंखें बंद कर अपनी आंतरिक क्षमता को मजबूत बनाना। सत्य के साथ आगे बढ़ना और निरंतर सीखने की इच्छा को जाग्रत रखना।

सदैव दूसरों की मदद के लिए तैयार रहना।उपरोक्त बातें प्रत्येक व्यक्ति की 'निनताई' यानी कि सहनशक्ति को बढ़ा देती हैं और उन्हें जोखिमों से लड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। वही जीतता है जो जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। जो जोखिमों से डरता है, वह कहीं नहीं पहुंचता, उसे केवल उन साधनों से संतोष करना पड़ता है जो जोखिम उठाने वाले लोग छोड़ देते हैं। निनताई ऐसी मानसिक शिक्त है जो हमें तब भी मैदान में टिकाए रखती है, जब बाकी सब हार मानकर जा चुके होते हैं।

बिल्हौर में मुद्रा लोन ठगी का 25 हजार का इनामी सरगना गिरफ्तार

अरौल में शराब की दुकान चोरी का खुलासा, दो आरोपी दबोचे गए

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर सर्किल पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। एक ओर प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के नाम पर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के 25 हजार रुपये के इनामी सरगना को गिरफ्तार किया गया, वहीं दूसरी ओर अरौल थाना क्षेत्र में हुई शराब की दुकान चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को दबोच लिया गया।

बिल्हौर थाना पुलिस ने रविवार सुबह रेलवे स्टेशन के पास से ढाई साल से फरार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी वर्ष 2023 में अपने साथियों के साथ मिलकर संगठित गिरोह के रूप में सक्रिय था। यह गिरोह पोस्टर और पंपलेट के माध्यम से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लोन दिलाने का प्रचार करता था। झांसे में आए लोगों से सर्विस चार्ज, बीमा शुल्क और लोन अप्रूवल के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती थी। ठगी के लिए फर्जी मोबाइल नंबर, नकली पहचान पत्र और

मुद्रा लोन ठगी गैंग का सरगना राहुल भदौरिया पुलिस की गिरफ्त में।

कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। इस मामले में थाना क्षेत्र की एक महिला की शिकायत पर अगस्त 2023 में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी, जबकि गिरोह का सरगना फरार चल रहा था। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी को पूरे गिरोह का मुख्य संचालक बताया गया है।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

उधर, अरौल थाना क्षेत्र में चार फरवरी की रात अंग्रेजी शराब व बीयर की कंपोजिट दुकान में हुई चोरी की घटना का भी पुलिस ने सफल अनावरण कर दिया। चोरों ने दुकान का शटर काटकर नकदी और शराब की पेटियां चोरी कर ली थीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर जीटी रोड से ठेके की ओर जाने वाले रास्ते से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से चोरी की शराब की बोतलें, नकदी तथा वारदात में प्रयुक्त लोहे की सरिया और पेंचकस बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

अरौल में शराब दुकान चोरी के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी

अतिक्रमण हटते ही शिवराजपुर में छोटे दुकानदारों के चेहरे उतरे

जीटी रोड व शिवली रोड पर नगर पंचायत की कार्रवाई

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे में रविवार को नगर पंचायत द्वारा अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होते ही हड़कंप मच गया। जीटी रोड और शिवली रोड पर फुटपाथ व नालों के ऊपर लकड़ी के खोखे और टट्टर लगाकर दुकानें चला रहे छोटे दुकानदारों में अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दिया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर बिल्हौर एसडीएम संजीव दीक्षित और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी मनीष चौधरी की अगुवाई में यह अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान लिपिक अतुल दुबे, करीब दो दर्जन सफाई कर्मी तथा भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। जेसीबी और ट्रैक्टरों की मदद से अस्थायी दुकानों को हटाया गया और वहां रखी सामग्री को नगर पंचायत द्वारा कब्जे में ले लिया गया।

अधिशासी अधिकारी मनीष चौधरी ने बताया कि जीटी रोड व शिवली रोड पर अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की

स्थिति बन रही थी। इस संबंध में कस्बे के लोगों द्वारा शिकायत की गई थी, जिस पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। कार्रवाई से प्रभावित दुकानदारों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि फुटपाथ पर लगी दुकानों से ही उनके परिवार की आजीविका चलती थी। दुकानों के हटने से रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। दुकानदारों ने प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

दूसरी शादी के बाद तनाव, विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

- घरेलू विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम
- मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। घटना की जानकारी होते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

ककवन निवासी असलम की शादी 13 वर्ष पूर्व खुशनुमा (33) से हुई थी। असलम कपड़ों की सिलाई का काम करता है। दंपती के दो बेटे और एक बेटी हैं। बताया गया है कि करीब एक वर्ष पहले असलम ने दूसरी शादी कर ली थी, जिसके बाद से घर में आए दिन विवाद होने लगे थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक दूसरी शादी के बाद खुशनुमा मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगी थी। पति द्वारा अक्सर दूसरी पत्नी का पक्ष लेने को लेकर घरेलू कलह बढ़ गई थी। शनिवार देर रात भी विवाद हुआ था। इसके कुछ समय बाद खुशनुमा ने घर के पीछे बने हिस्से में कच्ची छत की धन्नी से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। भोर में घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत पुलिस टीम और फॉरेंसिक यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगाए, हालांकि बच्चों के भविष्य को देखते हुए फिलहाल कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भड़ौसा गांव के एसआईआर में फर्जीवाड़े का आरोप, सपा का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, जांच व कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

फर्रुखाबाद। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान विधानसभा भोजपुर क्षेत्र के भड़ौसा गांव में कथित फर्जीवाड़े को लेकर समाजवादी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन/शिकायती पत्र सौंपा।

पार्टी के जिला प्रवक्ता व सचिव राधेश्याम सविता ने बताया कि भड़ौसा गांव में बड़ी संख्या में फर्जी तरीके से फॉर्म-7 भरकर जीवित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप है कि मतदाताओं के फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म-7 बीएलओ को सौंपे जा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अत्यंत निंदनीय है।

समाजवादी पार्टी ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए तथा इसमें शामिल सरकारी एवं गैर-सरकारी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न होने पाए।

प्रदर्शन करते जिला अध्यक्ष चंद्रपाल यादव और पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत एवं कार्यकर्ता

जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान जिलाध्यक्ष व पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य, पूर्व विधायक प्रताप सिंह यादव, पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत, प्रदेश सचिव सर्वेश अंबेडकर, जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र सिंह शाक्य, जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शाक्य (एडवोकेट), अजीत यादव, पुष्पेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता जे.पी. वर्मा, समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष शिवम यादव, समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अनुराग यादव, जिला सचिव नीलम सिंह चौहान, विकास कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगरा में तेल कारोबारी ने कार में खुद को मारी गोली, मौके पर मौत

सिकंदरा के शास्त्रीपुरम में खड़ी कार के अंदर मिला शव, दरवाजे अंदर से लॉक मिले

» वीडियो कॉल के बाद उठाया कदम, अवैध हथियार बरामद, मोबाइल फोरेंसिक जांच को भेजा

» स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

आगरा। आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र स्थित शास्त्रीपुरम में शनिवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां युवा तेल कारोबारी विश्वजीत सिंह राजावत ने कार के अंदर कनपटी पर गोली मारकर जान दे दी। घटना डीपीएस स्कूल के पास की बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कि कार ड्राइविंग सीट पर युवक लहूलुहान हालत में पड़ा है और चारों दरवाजे अंदर से लॉक हैं।पुलिस ने खिड़की का शीशा तोड़कर दरवाजा खोला और गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान निखिल एस्टेट, सिकंदरा निवासी विश्वजीत सिंह राजावत के रूप में हुई है, जो शास्त्रीपुरम में सूर्या ऑयल मिल के नाम से तेल का कारोबार करते थे।एसीपी सदर इमरान अहमद के मुताबिक शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। हालांकि मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, जिससे घटना से पहले की गतिविधियों और बातचीत का विश्लेषण किया जा सके।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि घटना से कुछ देर पहले विश्वजीत ने वीडियो कॉल के जरिए अपने माता-पिता और भाइयों से बातचीत की थी। परिजनों के अनुसार वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में चल रहा था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई भारतीय नौसेना में तैनात है, जबकि दूसरा भाई फार्मेसी की पढ़ाई कर रहा है।कार की तलाशी में पुलिस को एक अवैध पिस्टल और एक तमंचा भी मिला है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोली तमंचे से चलाई गई। दोनों हथियार नए बताए जा रहे हैं, जिनके स्रोत की जांच की जा रही है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि करीब आठ महीने पहले भी युवक ने छत से कूदकर जान देने का प्रयास किया था। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व फोरेंसिक विश्लेषण का इंतजार किया जा रहा है।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा का बड़ा सौदागर गिरफ्तार

» रात की छापेमारी में 8 कार्टून से 480 रील बरामद, ऑनलाइन नेटवर्क का खुलासा

» स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

फर्रुखाबाद। प्रतिबंधित चाइनीज मांझा के अवैध कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बड़े सौदागर को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने देर रात छापेमारी कर आरोपी के गोदाम से 8 कार्टून में रखी 480 रील चाइनीज मांझा बरामद की है।सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से नायलॉन धागे का अवैध कारोबार कर रहा था।

पूछताछ में सामने आया है कि वह ऑनलाइन बुकिंग के जरिए कानपुर से चाइनीज मांझा मंगवाकर फर्रुखाबाद में सप्लाई करता था। इस अवैध धंधे से आरोपी को लगातार मुनाफा हो रहा था। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नायलॉन मांझा बना रहा मौत का फंदा

नायलॉन और चाइनीज मांझा से हो रही घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। सड़क पर चलते समय कई लोग मांझा की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए, वहीं कुछ की मौत भी हो चुकी है। इन घटनाओं के बाद शासन-प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए अवैध मांझा कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है।

पुलिस के अनुसार, ऑनलाइन माध्यम से चाइनीज मांझा की बिक्री को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस अब इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जल्द ही इस गिरोह से जुड़े और लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी है।

उच्च शिक्षा व्यवस्था के संरक्षण की उठी आवाज

प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

» यूजीसी विनियम-2026 पर करणी सेना का प्रचंड प्रहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती । उच्च शिक्षा व्यवस्था के मूल स्वरूप को प्रभावित करने वाले UGC (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता के संरक्षण हेतु) विनियम-2026 के विरुद्ध राजपूत करणी सेना ने कानपुर देहात में निर्णायक और मुखर हस्तक्षेप करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

निगरानी समिति दिशा के सदस्य मंगल सिंह परिहार ने इसे संविधान सम्मत अधिकारों पर प्रत्यक्ष प्रहार करार दिया। उन्होंने कहा कि समानता की आड़ में लाए गए यह विनियम योग्यता, प्रतिभा और शैक्षणिक उत्कृष्टता की अवधारणा को क्रमशः क्षीण करने का प्रयास हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह नियमावली न केवल मेधावी छात्रों के अधिकारों का अवमूल्यन करती है, बल्कि उच्च शिक्षा की आत्मा को भी धीरे-धीरे निष्प्राण करने की दिशा में अग्रसर है। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो इसका दूरगामी दुष्परिणाम सम्पूर्ण शैक्षणिक ढांचे पर पड़ेगा। UGC विनियम-2026 संविधान के उस मूल भाव के विपरीत हैं, जिसमें समान अवसर के साथ-साथ न्यायसंगत प्रतिस्पर्धा और योग्यता का संरक्षण निहित है। उन्होंने चेताया कि ऐसे प्रावधानों का दुरुपयोग कर शिक्षा को सामाजिक प्रयोगशाला बनाया जा रहा है, जिससे युवाओं के मन में असंतोष, वैचारिक भ्रम और मानसिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। यह स्थिति किसी भी रूप में राष्ट्रहित में स्वीकार्य नहीं है। राजेश सिंह चौहान (जिला मंत्री), घनश्याम सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह चौहान, कपिल सिंह (जिला उपाध्यक्ष), विपिन सिंह सेंगर (जिला उपाध्यक्ष), शैलेंद्र सिंह उर्फ पप्पू, जितेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह सेंगर, सरवन सिंह सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 कांवड़ियों को लोधश्वर धाम के लिए किया गया रवाना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। विकास खंड सरवनखेड़ा क्षेत्र के मजरा जोधेपुर गांव में सामाजिक समरसता और धार्मिक सौहार्द की एक अनुकरणीय तस्वीर देखने को मिली। गांव से लोधेश्वर धाम के लिए रवाना हुए 20 कांवड़ियों के जत्थे को ग्राम प्रधान पति फिरोज मंसूरी ने पूरे सम्मान, आत्मीयता और श्रद्धा के साथ विदा किया।इस अवसर पर प्रधान पति ने कांवड़ियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया, मुंह मीठा कराया तथा उनकी धार्मिक यात्रा के लिए आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। लोधेश्वर धाम के लिए रवाना होने वाले कांवड़ियों में प्रमुख रूप से साक्षी, सोनम, रिंकी, महंत रामप्रकाश, अखिलेश, सुमित, शिव बाबू, बड़के, अरुण, आदित्य, रामजी, राहुल, रामू, राघवेंद्र, दीपक, छोटे, शिव गोपाल, विनय कुमार, निगम बाबू सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे।

कंचननगर: कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शुक्लागंज (उन्नाव)। कंचन नगर-ए स्थित एक विद्यालय परिसर में श्री ममतामयी मंडल परिवार के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया। कथा के प्रथम दिन महिलाओं द्वारा पारंपरिक कलश यात्रा निकाली गई। दोपहर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणेश पूजन एवं ध्वज पूजन संपन्न हुआ, जिसके उपरांत कलश यात्रा प्रारंभ की गई। यात्रा में क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

कलश यात्रा गंगातट पहुंची, जहां से पवित्र जल लेकर दुर्गा मंदिर होते हुए कथा स्थल पर पहुंची।

कलश स्थापना के पश्चात श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। वृंदावन धाम से पधारे वल्लभचरणाश्रित कथा व्यास केशव देव भक्तमाली ने कथा का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

इस अवसर पर परीक्षित कुमार भट्ट सहित श्री ममतामयी मंडल के पदाधिकारी एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

रसधान में भागवत कथा शुरू, उमड़ी भक्तों की भीड़

» निकली कलश यात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा रसधान स्थित शिव बालाजी धाम मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत एवं राम कथा का शुभारंभ हो गया है। कथा के पहले दिन बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर एक विशाल कलश यात्रा भी निकाली गई।

यह कलश यात्रा हृदय कांत शर्मा के नेतृत्व में पूरे गांव में घुमाई गई। इसमें समस्त ग्रामवासी सत्यम शर्मा, आशू शर्मा, परिक्षित सत्यवती और कृष्णमुरारी शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हुए।

श्रीमद् भागवत कथा एवं सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। रूरा निवासी कथावाचक पंडित मनीष जी महाराज द्वारा उपस्थित भक्तगणों को श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कराया जा रहा है।यह कथा आगामी 13 फरवरी को विश्राम होगी। इसके उपरांत 14 फरवरी को एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

18 साल से बदहाल कुशलपुरवा मार्ग, ग्रामीण बेहाल

ऊसर सुधार से बनी सड़क अब गड्ढों और उखड़े बोल्डरों में तब्दील

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। असलतगंज क्षेत्र के पचासों गांवों को जिला मुख्यालय माती और कानपुर शहर से जोड़ने वाला कुशलपुरवा मार्ग पिछले 18 वर्षों से बदहाली की मार झेल रहा है। ऊसर सुधार योजना के तहत करीब दो दशक पहले बनी यह डामर सड़क अब अपनी पहचान खो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि सड़क पर डामर और गिट्टी तो दूर, बड़े-बड़े बोल्डर तक उखड़कर रास्ते में बिखर गए हैं।

रसूलाबाद विकास खंड के अंतर्गत पितानपुरवा से कुशलपुरवा होते हुए मधु निवादा और कानपुर-बेला संपर्क मार्ग तक जाने वाला यह मार्ग ग्रामीणों के लिए अब सुविधा नहीं, बल्कि रोज़ की परेशानी बन चुका है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क निर्माण के मात्र दो वर्ष बाद एक बार औपचारिक मरम्मत कराकर जिम्मेदारों ने इसे भगवान भरोसे छोड़ दिया।

इसके बाद बीते 15 वर्षों से न तो मरम्मत हुई और न ही पुनर्निर्माण की कोई ठोस पहल।

कुशलपुरवा निवासी ग्राम प्रधान मनोज यादव, यदुनाथ सिंह, महेश, रामबाबू, शेषनारायण, विश्वनाथ और रामनारायण तथा पितानपुरवा के विसर्जन, बलवीर, महेश और शिवलाल का कहना है कि सड़क की जर्जर हालत को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को मौखिक व लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग से पितान, मधु निवादा, असालतगंज, मऊ, गोपालपुर, मकरंदपुर, शहबाजपुर सहित दर्जनों गांवों के लोग रोज़ाना जिला मुख्यालय माती आते-जाते हैं। यही नहीं, यह मार्ग कानपुर-बेला संपर्क मार्ग से जुड़कर प्रसिद्ध इटैली झील मार्ग तक पहुंचता है, इसके बावजूद सड़क की हालत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। ग्राम प्रधान हीकेपुर मनोज कुमार ने बताया कि करीब दस वर्ष पूर्व की सरकार में सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन उसके बाद किसी भी जनप्रतिनिधि ने इसकी सुध नहीं ली। इस मार्ग से सर्व समाज के लोगों का आवागमन होता है, फिर भी विकास सिर्फ फाइलों और कागजों तक सिमट कर रह गया है।

जिम्मेदारों का जवाब गोलमोल

इस संबंध में अवर अभियंता राधेश्याम ने बताया कि उक्त सड़क ऊसर सुधार विभाग द्वारा निर्मित है, इसलिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सीधे निर्माण कार्य नहीं करा सकता। सड़क को पीडब्ल्यूडी में स्थानांतरित कराने की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें समय लगेगा। स्थानांतरण होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। सवाल यह है कि जब रोज़ाना हजारों ग्रामीण इसी सड़क से सफर करते हैं, तो क्या 18 वर्षों तक विभागों के बीच फाइलें घूमती रहें और जनता गड्ढों में जान जोखिम में डालकर यात्रा करे क्या यही सुशासन और विकास का दावा है?

निगरानी तंत्र की निष्क्रियता का प्रमाण बनी आलापुर की सड़क

» मुख्यमंत्री पोर्टल तक शिकायत के बाद भी मौन, ग्रामीणों में आक्रोश

कानपुर देहात, माती। ग्राम पंचायत आलापुर की मुख्य सड़क केवल गड्ढों में तब्दील नहीं हुई है, बल्कि यह जिले के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही और उदासीन कार्यशैली का जीवंत उदाहरण बन चुकी है। मुख्यमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक शिकायत दर्ज कराने के बावजूद आज तक न तो किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और न ही सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ी यह मुख्य सड़क अब जानलेवा बन चुकी है। इसके बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। यह स्थिति तब है, जब ग्रामीणों ने लिखित शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दर्ज कराई है, लेकिन उसका भी कोई असर नहीं दिखाई दे रहा।

300 मीटर लंबा मार्ग बना परेशानी का कारण

आलापुर का मुख्य मार्ग लगभग 300 मीटर लंबा है, जिसका निर्माण विधायक कोटे से कराया गया था। निर्माण के बाद आज तक न तो इसकी मरम्मत कराई गई और न ही निर्माण गुणवत्ता की कभी जांच हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर सड़क की निगरानी और समय पर मरम्मत कराने की जिम्मेदारी किस अधिकारी की थी और यदि जिम्मेदारी तय है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?। शिकायत करने वालों में ज्ञापन पर वीर सिंह, अंकित सिंह, रामलखन, रजित कुशवाहा, विवेक सिंह चंदेल, कल्लू सिंह, ऋषभ मिश्रा, अंकुर सिंह, कपिल सहित ग्राम आलापुर के समस्त ग्रामीणों के नाम दर्ज हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सड़क निर्माण अथवा मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता साहिबे आलम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन बंद मिला।

हादसे के बाद कौसम मोड़ से अवैध दुकान हटाकर सड़क कराई साफ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। गजनेर थाना क्षेत्र के कौसम मोड़ पर छात्राओं से भरे ऑटो और डीसीएम की भीषण टक्कर में एक छात्रा की मौत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। हादसे के तुरंत बाद प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क किनारे बनी अवैध दुकान को हटवाकर मोड़ को अतिक्रमणमुक्त कराया गया।बताया गया कि कौसम मोड़ पर सड़क किनारे लगी अवैध दुकान के कारण विपरीत दिशा से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते थे, जिससे यह स्थान लगातार सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहा था। इसी वजह से पूर्व में भी यहां कई गंभीर हादसे हो चुके थे। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अमले ने स्थिति का जायजा लिया और तत्काल कार्रवाई करते हुए दुकान को खाली कराकर सड़क से हटवाया। अतिक्रमण हटने के बाद मोड़ पर दृश्यता स्पष्ट हो गई है और यातायात व्यवस्था पहले की अपेक्षा सुचारु हो सकी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई को आवश्यक और समयोचित बताते हुए कहा कि यदि पहले ही यह कदम उठाया गया होता तो कई दुर्घटनाओं से बचा जा सकता था।

08
कानपुर देहात
स्वराज इंडिया

प्रयोगात्मक परीक्षा देने जा रही छात्राओं से भरा ऑटो डीसीएम से टकराया, छात्रा की मौके पर मौत

अवैध दुकानें बनी जानलेवा

प्रशासन पर उठे सवाल

यमुना एक्सप्रेस-वे पर सनसनीखेज हत्या का खुलासा, एआई बना पुलिस का हथियार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर 06 फरवरी को मिली अज्ञात महिला की क्षत-विक्षत लाश ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। हत्या के बाद महिला के गले और चेहरे को इस कदर बिगाड़ दिया गया था कि पहचान करना लगभग नामुमकिन हो गया था। हत्यारे ने समझा था कि वह कानून की पकड़ से बच जाएगा, लेकिन इस बार पुलिस ने तकनीक से करारा जवाब दिया।

आगरा पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया।

महिला के बिगड़े चेहरे को एआई तकनीक से दोबारा तैयार कराया गया।

इसके बाद तैयार फोटो को सभी थानों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया।

पुलिस की यह रणनीति रंग लाई। महज 24 घंटे के भीतर चौंकाने वाला परिणाम सामने आ गया। मृतका की पहचान महोबा निवासी सोनाली (25) के रूप में हुई। पहचान होते ही परिजन सामने आए और हत्या की तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी।

जांच में सामने आया कि यह हत्या प्रेम संबंध के चलते की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बॉयफ्रेंड सनी को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी से कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच जारी है।

इस मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अपराधी चाहे जितनी भी चालाकी दिखा ले, तकनीक और कानून के आगे ज्यादा दिन नहीं टिक सकता। एआई की मदद से पुलिस ने न सिर्फ एक अंधे हत्याकांड का खुलासा किया, बल्कि हत्यारे को सलाखों के पीछे पहुंचाकर कड़ा संदेश भी दिया है।

ट्रेन से टकराकर युवक की दर्दनाक मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। मौदहा क्षेत्र में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना मालगाड़ी के चालक ने अकौना रेलवे स्टेशन पर दी थी, जिसके बाद सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव की पहचान मौदहा कोतवाली क्षेत्र के नायकपुरवा गांव निवासी श्यामलाल निषाद 26 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया है कि श्यामलाल खेत की रखवाली कर घर लौट रहा था। इसी दौरान इचौली रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

लापता दरोगा का शव सरयू में मिला रहस्यमयी मौत पर कई सवाल

क्या यह आत्महत्या है, हादसा या फिर किसी साजिश का नतीजा?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बस्ती जिले से लापता चल रहे सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ की मौत ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। रविवार को अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के तिहुरा माझा इलाके में सरयू नदी किनारे उनका शव मिलने से सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, थाना परशुरामपुर में तैनात रहे सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ बीते कई दिनों से रहस्यमय तरीके से लापता थे। परिजनों और विभाग की तलाश के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। इसी बीच रविवार को सरयू

नदी में एक शव दिखने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे बाहर निकलवाया।

प्राथमिक जांच में शव की पहचान अजय गौड़ के रूप में हुई। मृतक मूल रूप से देवरिया जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। शव की हालत और घटनास्थल को देखकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं क्या यह आत्महत्या है, हादसा या फिर किसी साजिश का नतीजा?

सूत्रों की मानें तो दरोगा के लापता होने से पहले कुछ मामलों को लेकर उन पर दबाव और तनाव की चर्चाएं भी थीं। अब शव मिलने के बाद मामला और गहराता जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उच्च अधिकारियों की निगरानी में जांच की जा रही है, लेकिन फिलहाल मौत की असली वजह रहस्य बनी हुई है।

पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय पर जोर: सोमेन वर्मा

अयोध्या। रेंज के नवागत डीआईजी सोमेन वर्मा द्वारा रविवार को पदभार ग्रहण किया गया।इस अवसर पर कार्यालय में नियुक्त समस्त शाखा प्रभारियों से परिचय प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके बाद पत्रकारों से बातचीत पर अपनी प्राथमिकताएं गिनाई।उन्होंने कहा कि पूरा प्रयास होगा कि रेंज जनसुनवाई में नंबर वन हो और थाने आने वाले हर पीड़ित व्यक्ति को न्याय तुरन्त न्याय मिले।इसके लिए किसी को भागदौड़ न करनी पड़े।इसी क्रम में उन्होंने कहा कि चिह्नित माफिया और अपराधी सलाखों के पीछे होंगे।सजा दिलाने के लिए विचाराधीन मुकदमों में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत करने के साथ समय से गवाही

कराई जाएगी।नवागत डीआईजी सोमेन वर्मा ने यहां भी कहा कि अयोध्या रेंज में सेवा का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है।मेरे द्वारा अयोध्या रेंज में आने वाले जनपदों अयोध्या, बाराबंकी,सुलतानपुर,अम्बेडकरन एवं अमेठी में शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का निस्तारण,महिला सुरक्षा,अपराध नियंत्रण व दोषियों को सजा दिलाना,सुचारू एवं सुगम यातायात व्यवस्था,माफिया एवं गैंगेस्टर के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही एवं उनकी सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही करते हुए कानून एवं शांति-व्यवस्था कायम रखना हमारी प्राथमिकता होगी। पश्चिम बंगाल के मूल निवासी एवं एनआईटी असम से बीटेक डिग्रीधारी सोमेन वर्मा वर्ष-2012 बैंच के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी है।इससे पहले उनकी तैनाती मिर्जापुर जनपद में वरिष्ठ एसएसपी के तौर पर थी।अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ अपने ताबड़तोड़ एक्शन को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते है.

बिजली के पोल पर अटका सिस्टम!

» वधायक को भी लिखना पड़ा पत्र, आम जनता की सुनवाई कौन करेगा?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में सरकारी तंत्र की सुस्ती का एक और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है। खतरनाक स्थिति में लगे बिजली के पोल को हटवाने के लिए अब सत्ता पक्ष के विधायक को भी विभाग को पत्र लिखना पड़ा, लेकिन उसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पत्र से खुलासा हुआ है कि क्षेत्र में लंबे समय से दुर्घटना का कारण बने बिजली के पोल को हटाने की मांग करीब पांच माह पहले की गई थी। विधायक द्वारा संबंधित विभाग को भेजे गए इस पत्र पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।स्थानीय लोगों के अनुसार यह पोल किसी भी वक्त बड़े हादसे का कारण बन सकता है। रोजाना स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और राहगीर

इसी खतरे के साए में गुजरने को मजबूर हैं। कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जनप्रतिनिधि की सिफारिश भी फाइलों में दबकर रह जाती है, तो आम नागरिक की फरियाद की सुनवाई आखिर कौन करेगा? वायरल पत्र ने प्रशासनिक उदासीनता की पोल खोल दी है। सोशल मीडिया पर लोग तीखी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

मुसाफिर हो तुम भी,मुसाफिर है हम भी किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी....!

रायबरेली ज़िले में एसपी डॉ यशवीर सिंह ने अपराधियों और माफियाओं का गुरूर तोड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रायबरेली। जनपद में लगभग 13 महीने का कार्यायल सफलतापूर्वक पूरा करने वाले एसपी डॉ यशवीर सिंह ने अपराधियों और माफियाओं का गुरूर तोड़ गए।अपने कार्यकाल में अपराधियों के विरुद्ध कमरतोड़ कार्रवाई के लिए उन्होंने कई अभियान चलवाए,जिसमें अपराधियों की अरबो की संपति जब्त हुई और ध्वस्तीकरण भी हुआ।

कार्यकुशलता और शांत स्वभाव के लिए जाने- जाने वाले बेहद ईमानदार छवि के तेजतर्रार,न्यायप्रिय व किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्ताक्षेप ना बर्दाश्त करने वाले वर्ष-2013 बैच के शानदार आईपीएस अफसर डॉ यशवीर सिंह ने रायबरेली से स्थानांतरित होकर वर्तमान समय में जनपद बस्ती के नवागत एसपी है.जिन्होने अपने रायबरेली जनपद के कार्यकाल को याद करते हुए एक भावुक संदेश साझा किया है। उन्होंने कहा कि रायबरेली में सेवाकाल के दौरान पुलिस प्रशासन एवं आम जनता से उन्हें जो अतुल्य स्नेह,सम्मान और सहयोग प्राप्त हुआ,वह उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा।उन्होंने सभी सहयोगियों,शुभचिंतकों एवं जनपदवासियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अपनापन और विश्वास उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है,जिसे वह आजीवन संजोकर रखेंगे। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इसी प्रकार का स्नेह और सहयोग उन्हें मिलता रहेगा।अधिकारी के इस संदेश से स्पष्ट है कि रायबरेली में उनका कार्यकाल केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनता और पुलिस परिवार के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी गहरा रहा। यह विदाई संदेश आपसी सम्मान,विश्वास और सकारात्मक संबंधों की एक मिसाल बनकर सामने आया है.

गरीबों पर वार, वीआईपी कार्ट को संरक्षण!

व्यापार मंडल के ई-रिक्शा पर रोक के ज्ञापन से लगा प्रतिबंध, गरीबों का रोजगार पटरी से उतरा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में अब श्रद्धा से ज़्यादा 'सुविधा सिंडिकेट' की चर्चा है। ई-रिक्शा पर अचानक लगी रोक ने न सिर्फ सैकड़ों परिवारों की रोज़ी छीन ली, बल्कि यह भी उजागर कर दिया कि शहर में कानून नहीं,सिफारिश चलती है। जिस फैसले को प्रशासन यातायात व्यवस्था का नाम दे रहा है, उसके पीछे असल कहानी अब सामने आ चुकी है–अयोध्या व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज गुप्ता का वह ज्ञापन, जिसने टेढ़ी बाजार से लता चौक तक ई-रिक्शा की सांसें रोक दीं।

सूत्रों के अनुसार, पंकज गुप्ता द्वारा मंडलायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन के बाद ही ई-रिक्शा पर कार्रवाई शुरू हुई। इसकी तस्दीक खुद पंकज गुप्ता ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट से की, जिसमें वे ज्ञापन सौंपते नजर आए।

लेकिन जैसे ही व्यापारियों और चालकों का गुस्सा फूटा फोटो डिलीट खबर हटवाई। एक तरफ ई-रिक्शा चालकों को नियम उल्लंघन के नाम पर सड़क से हटाया गया, दूसरी तरफ बिना नंबर, बिना बीमा, बिना रजिस्ट्रेशन के गोल्फ कार्ट धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं।कांग्रेस नेता शरद शुक्ला सवाल उठाते हैं कि जब ई-रिक्शा पर कानून लागू होता है, तो गोल्फ कार्ट पर क्यों नहीं? 2024 से आज तक न चालान न एफआईआर न कार्रवाई यह कैसी कानून व्यवस्था है, जहां नियम गरीबों के लिए और छूट रसूखदारों के लिए? हाल ही में गोल्फ कार्ट से हुई दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल हुए। लेकिन न केस दर्ज न बीमा क्लेम न सरकारी मदद क्यों? क्योंकि वाहन ही कागजों में मौजूद नहीं!

सीधा-सीधा जनविरोधी फैसला

पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय ने इसे सीधा-सीधा जनविरोधी फैसला बताया। उन्होंने कहा रोजगार देने की बात करने वाली सरकार सैकड़ों परिवारों को बेरोजगार कर रही है।कृष्णानंद फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकुंद माधव त्रिपाठी धरने पर बैठ गए–ई-रिक्शा व्यापार नहीं, जीवन है।ऽ व्यापारी नेता विनोद श्रीवास्तव बोले–ग्राहक अब दुकानों तक नहीं पहुंच पाएंगे, व्यापार टूटेगा। अश्वनी कुमार गुप्ता ने चेतायासबसे ज्यादा मार छोटे दुकानदारों पर पड़ेगी।सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह फैसला ट्रैफिक सुधार के लिए था? या फिर कुछ खास हितों को फायदा पहुंचाने की रणनीति?

कहीं ऐसा तो नहीं कि– ई-रिक्शा हटाकर गोल्फ कार्ट लॉबी को खुला मैदान दिया जा रहा है?अयोध्या की जनता का सवाल क्या पंकज गुप्ता अपने पद का इस्तेमाल जनविरोधी फैसलों के लिए कर रहे हैं? क्या प्रशासन किसी दबाव में काम कर रहा है? क्या गरीबों का रोजगार 'सुविधा प्रोजेक्ट' की बलि चढ़ा दिया गया? रामनगरी में अब न्याय नहीं, नेटवर्क चलता है! अयोध्या की सड़कों पर आज ट्रैफिक नहीं, ताकत का प्रदर्शन हो रहा है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 84 जोड़ों का सामूहिक विवाह

» जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने दिया आशीर्वाद

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। ब्लॉक मुख्यालय परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के बीच 84 जोड़ों ने एक साथ सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। पंडितों द्वारा वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ विधि-विधान से विवाह संस्कार संपन्न कराए गए। बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि कार्यक्रम के साक्षी बने।

नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा, प्रदेश सरकार की सामूहिक विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत है। इससे बेटियों का विवाह बिना आर्थिक दबाव के हो पा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार का उद्देश्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं।

ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने कहा, ऽयह कार्यक्रम सहयोग और संवेदनशीलता का उदाहरण है।

सभी जनप्रतिनिधि मिलकर जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं और आगे भी इस तरह के आयोजन निरंतर किए जाएंगे।ऽकार्यक्रम में प्रत्येक जोड़े को पायल, बिछिया, अटैची, पांच साड़ियां, बर्तन सेट सहित दैनिक उपयोग की वस्तुएं भेंट की गईं। साथ ही शासन की ओर से 60,000 रुपये की अनुदान राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाएगी। दिनेश मिश्र, प्रदीप सिंह, शारदा यादव, राजेश पाठक, देवता पटेल, बीडीओ अनुराग सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा में हंगामा

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा विधायकों की नारेबाजी, वेल में पहुंचे

- बजट सत्र के पहले ही दिन विधानसभा में तीखा सियासी टकराव
- राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा विधायकों की नारेबाजी, वेल में पहुंचकर विरोध
- महंगाई, बेरोजगारी और स्क्रको लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन
- हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित
- सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे, वाराणसी में मंदिर तोड़े जाने का आरोप
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवाद और सदन की गरिमा बनाए रखने पर ज़ोर दिया
- डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का पलटवार– विपक्ष पर मुद्दाविहीन राजनीति का आरोप
- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुलेट ट्रेन और विकास कार्यों को लेकर सरकार को घेरा
- सरकार ने अभिभाषण के बाद अध्यादेश सदन पटल पर रखने की जानकारी दी
- पहले ही दिन विपक्ष के आक्रामक रुख से बजट सत्र का सियासी तापमान तेज

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र शुरू होते ही पहले दिन ही सियासी टकराव खुलकर सामने आ गया। सोमवार सुबह 11 बजे जैसे ही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अभिभाषण शुरू किया, समाजवादी पार्टी के विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। महंगाई, बेरोजगारी, स्क्रसहित अन्य मुद्दों को लेकर सपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। स्थिति बिगड़ने पर सदन को अगले दिन तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

इससे पहले सपा के सिंबल पर निर्वाचित विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे। उनकी साइकिल पर अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर

⇨ महंगाई-बेरोजगारी पर सरकार को घेरा, सीएम बोले– संवाद से चलता है सदन

लगी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में वाराणसी में लगातार मंदिरों को तोड़ा जा रहा है।

हंगामे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि सदन संवाद और चर्चा से चलता है, न कि व्यवधान से। सरकार हर सदस्य के सवालों और सुझावों पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन सदन की गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वह हंगामे का रास्ता अपना रहा है। वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने देश को प्रधानमंत्री दिया, लेकिन प्रदेश को अब तक बुलेट ट्रेन नहीं मिल सकी। गोरखपुर होकर प्रस्तावित बुलेट ट्रेन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जिस शहर में मेट्रो तक नहीं बन पाई, वहां बुलेट ट्रेन की बातें की जा रही हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल के अभिभाषण के बाद हाल में पारित अध्यादेशों को सदन के पटल पर रखा जाएगा। वर्ष 2026 के पहले सत्र में सरकार अपनी उपलब्धियां भी सदन के सामने रखेगी। वहीं विपक्ष ने पहले ही दिन आक्रामक रुख अपनाकर सियासी तापमान बढ़ा दिया।

एसआईआर में 1 करोड़ नोटिसधारकों को राहत, सुनवाई स्थलों पर हेल्प डेस्क अनिवार्य

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं को अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। राज्य भर में प्रत्येक सुनवाई स्थल पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, जहां प्रशिक्षित कर्मी मौके पर ही मतदाताओं को पूरी जानकारी और मार्गदर्शन देंगे।

यह निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंडलायुक्तों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, एडीएम, सीडीओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जारी किए।

निर्वाचन विभाग के अनुसार, बड़ी संख्या में मतदाताओं को नोटिस जारी होने के बाद सुनवाई प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भ्रम की स्थिति बन रही थी। हेल्प डेस्क की व्यवस्था से ऐसे 1 करोड़ से अधिक मतदाताओं को सीधे सुनवाई स्थल पर ही समाधान मिल सकेगा।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि जिन मतदाताओं के नाम 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में दर्ज हैं, लेकिन वर्ष 2003 की मतदाता सूची का विवरण उपलब्ध नहीं है, ऐसे लगभग 1.04 करोड़ मतदाताओं को नोटिस

⇨ हर सुनवाई स्थल पर हेल्प डेस्क, टोल-फ्री नंबर और प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती

जारी कर सुनवाई की जा रही है। वहीं, तार्किक विसंगतियों के आधार पर करीब 2.22 करोड़ मतदाताओं को भी नोटिस भेजे गए हैं, जिनकी सुनवाई प्रक्रिया चल रही है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी सुनवाई केंद्रों पर ऐसे कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, जो एसआईआर-2026 की पूरी प्रक्रिया से भली-भांति परिचित हों। ये कर्मी मतदाताओं की शंकाओं का समाधान करेंगे और आवश्यक दस्तावेजों व प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी देंगे।

हेल्प डेस्क को ऐसे स्थान पर स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं, जहां आने वाले मतदाताओं की नजर सीधे पड़े। वहां स्पष्ट रूप से ÷हेल्प डेस्क÷ का बैनर लगाया जाएगा। इसके साथ ही हेल्प डेस्क पर जिला और राज्य स्तरीय संपर्क केंद्रों के टोल-फ्री नंबर भी प्रदर्शित किए जाएंगे। जिला स्तर पर स्थापित कॉल सेंटर की सभी टेलीफोन लाइनों को सक्रिय रखने और प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि फोन पर प्राप्त शिकायतों और सवालों का त्वरित समाधान हो सके।

17 फरवरी को साल का पहला सूर्यग्रहण भारत में नहीं दिखेगा वलयाकार नजारा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। साल 2026 का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी, मंगलवार को खगोलीय घटना के रूप में घटित होगा। यह सूर्यग्रहण भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजकर 26 मिनट पर प्रारंभ होगा। ग्रहण का मध्यकाल शाम 5 बजकर 42 मिनट पर रहेगा, जबकि इसका समापन शाम 7 बजकर 57 मिनट पर होगा। कुल मिलाकर यह सूर्यग्रहण लगभग 4 घंटे 31 मिनट की अवधि का रहेगा।

खगोलीय गणनाओं के अनुसार यह ग्रहण कुम्भ राशि और धनिष्ठा नक्षत्र में घटित होगा। यह एक वलयाकार सूर्यग्रहण होगा, जिसमें चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह ढक नहीं पाएगा और सूर्य का बाहरी भाग एक चमकदार वलय (रिंग ऑफ फायर) के रूप में दिखाई देगा। हालांकि यह खगोलीय घटना भारत में दृश्य नहीं होगी। यह ग्रहण मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका, अफ्रीका के कुछ हिस्सों और प्रशांत महासागर के क्षेत्रों में देखा जा सकेगा। भारत में सूर्यास्त के बाद ग्रहण समाप्त हो जाने के कारण इसका प्रत्यक्ष दर्शन संभव नहीं होगा।

भारत में सूतक काल मान्य नहीं

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, चूंकि यह सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए सूतक काल भी मान्य नहीं रहेगा। ऐसे में पूजा-पाठ, दैनिक कार्य और धार्मिक अनुष्ठान सामान्य रूप से किए जा सकेंगे। मंदिरों के कपाट बंद करने या भोजन त्याग जैसी परंपराओं का पालन आवश्यक नहीं होगा।

ज्योतिषीय दृष्टि से ग्रहण का महत्व

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को आत्मा, सत्ता, शासन, ऊर्जा और आत्मविश्वास का कारक ग्रह माना गया है। कुम्भ राशि में सूर्यग्रहण को सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक परिवर्तनों से जोड़कर देखा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस ग्रहण का प्रभाव उन देशों और

क्षेत्रों पर अधिक पड़ेगा, जहां यह प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देगा। कुछ ज्योतिषाचार्य इसे वैश्विक स्तर पर प्रशासनिक फैसलों, तकनीकी बदलावों और सामाजिक आंदोलनों से भी जोड़कर देख रहे हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

खगोल विज्ञान के अनुसार सूर्यग्रहण तब लगता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाता है। वलयाकार सूर्यग्रहण की स्थिति तब बनती है जब चंद्रमा पृथ्वी से अपेक्षाकृत अधिक दूरी पर होता है और सूर्य को पूरी तरह ढक नहीं पाता। इस दौरान सूर्य के चारों ओर प्रकाश की एक तेज चमकदार अंगूठी दिखाई देती है।

अगला सूर्यग्रहण कब

खगोलविदों के अनुसार वर्ष 2026 में सूर्यग्रहण की यह पहली घटना है। इसके बाद वर्ष में एक और सूर्यग्रहण लगने की संभावना है, जिसकी जानकारी खगोलीय कैलेंडर के अनुसार अलग से जारी की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com